

प्रेपक,

अत्तर सिंह,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी
देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-4

देहरादून: दिनांक : 18 अगस्त, 2005

विषय: टी०एस०पी० के अन्तर्गत राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय भवनों के निर्माण कार्य की स्वीकृति ।

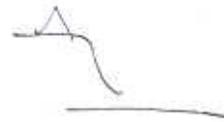
महोदय,

उपर्युक्त विषयक महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के पत्र सं0-77/1/निर्माण/टी०एस०पी०/14/2005/15799 दिनांक 25.07.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 में टी०एस०पी० के अन्तर्गत राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय पिनगिरी, राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय मुन्धान तथा राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय बिरमड जनपद देहरादून में भवनों के निर्माण कार्य हेतु संलग्न नुसार कुल रु0 1,18,85,000-00 (रु0 एक करोड़ अद्भारह लाख पिच्चासी हजार मात्र) की लागत पर प्रशासनिक / वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष में रु0 40,00,000-00 (रु0 चालीस लाख मात्र) को धनराशि के ब्यवहार करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

1- एकमुरत प्राविधानों को कार्य से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त की जायेगी ।

2- कार्य करते समय लो० निः विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जायें । कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तराधित्य निर्माण एजेन्सी का होगा ।

3- धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा तत्पश्चात निर्माण इकाई अपर परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम को उपलब्ध करायी जायेगी स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा ।



4- स्वीकृत धनराशि के अंहरण से संबंधित बालचर संख्या एंव दिनांक की सूचना उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रवधानों में बजट भेनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्मित आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा ।

5- आगणन में उल्लिखित दरों कर विरलेपण विभाग के अधीक्षण अधियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दरों में जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से भी ली गयी हों, की स्वीकृत नियमानुसार अधीक्षण अधियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा ।

6- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारों से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्राप्तन न किया जाय ।

7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है । स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय ।

8- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारों से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा ।

9- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्मानित करते समय भालन करना सुनिश्चित करें ।

10- कार्य करने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्चधिकारियों एवं भुगवेत्ता के साथ अवश्य करा ले । निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण विषयों के अनुरूप कार्य किया जाये ।

11- आगणन में जिन मर्दों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय । निर्माण सामग्री को प्रशोग में लाने से पूर्व किसी ब्रोगशाला से परोक्षण करा ली जाय, उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ब्रैंग में लाया जाए ।

12- स्वीकृत धनराशि को वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 जारीख तक निर्धारित प्रारूप पर प्रशासन को उपलब्ध करायी जायेगी । यह भी स्पष्ट किया जायेगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया जाय है ।

13- निर्माण के समय यदि किसी कारण वश यदि परिकल्पनाओं / विशिष्टियों में विवाद आता है तो इस दशा में शासन की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी ।

A

14- निर्माण कार्य से पूर्व नीव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नीव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय ।

15- उक्त भवनों के कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुनरीक्षित करने को आवश्यकता न पड़े ।

16- उक्त व्यवर्ष 2005-06 के आय-व्यय में अनुदान संख्या -31 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूँजीगत परिव्यय-आयोजनागत, 02- ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाये - पारचात्य चिकित्सा पद्धति 796- जनजाति उपक्षेत्र योजना 91- जिला योजना, 9103- राजकीय ऐलोचिक चिकित्सालय के भवनों का निर्माण, 24-वृहत निर्माण कार्यों के नामे डाला जायेगा ।

17- यह आदेश वित्त विभाग के अशा० सं०-६२६ /वित्त अनुभाग-२/२००५ दिनांक १६.०८.२००५ में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्नक यथोक्त

भवदीय,

 (अतरं शं सिंह)

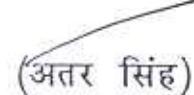
उप सचिव

सं०-२३७(१)/३५१११-४-२००५-२३/२००५ तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थी एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देरादून ।
- 2- निदेशक, कोपागार, उत्तरांचल, देरादून।
- 3- वरिष्ठ कोपाधिकारी, देरादून।
- 4- जिलाधिकारी, देरादून।
- 5- महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तरांचल, देरादून।
- 6- अपर परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पैथजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम ।
- 7- निजी सचिव मा० मुख्य मुख्यमंत्री ।
- 8- वित्त अनुभाग-२/ नियोजन विभाग / एन आई सी ।
- 9- गाड़ फाइल ।

आज्ञा से,


 (अतरं शं सिंह)

उप सचिव

शासनादेश सं0-237/XXVII/4-2005-23/2005 दिनांक 16.8.2005 का संलग्नक
 6/9 (धनराशि लाख रु० में)

क्र०	योजना/निर्माण कार्य सं0 का नाम	जनपद का नाम	निर्माण इकाई	लागत	वर्ष 2005- में स्वीकृत धनराशि
1	2	3	4	5	
1	राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय पिंगिरी का भवन निर्माण ।	देहरादून	पंद्रजल निगम	रु० 40.44	रु० 14.00
2	राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय मुन्धान का भवन निर्माण	देहरादून	पंद्रजल निगम	रु० 38.22	रु० 13.00
3	राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय बिरमड का भवन निर्माण	देहरादून	पंद्रजल निगम	रु० 40.19	रु० 13.00
			योग	रु० 118.85	रु० 40.00

(रु० चालीस लाख मात्र)


 (अतर सिंह)
 उप सचिव